කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

විවෘත සහ දුරස්ථ අධ්‍යයන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි ප්‍රථම පරීක්ෂණය
(බාහිර) - 2007

හින්දී - HIND-E 1025

නූතන හින්දී සාහිත්‍යය හැඳින්වීම සහ
නූතන හින්දී සාහිත්‍ය උද්ධෘත රස විඳීම (නියමිත)

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව: 05 **කාලය: පැය 03යි.**

ප්‍රශ්න **සියල්ලට** ම පිළිතුරු සපයන්න.

प्रथम भाग

01. निम्नलिखित किन्हीं **दो** पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

(क) फूल लेकर तितलियों के पर कतर
भौंर को अपना अनूठा रस पिला।
निज सुगंधी औ' निराले रंग से
है सदा देती कली दिल की खिला।
खटकता है एक सब की आँख में
दूसरा है सोहता सुर-सीस पर।
किस तरह कुल की बड़ाई काम दे
जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।

(ख) चाट रहें जूठी पत्तल वे कभी सड़क पर खड़े हुए
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी अड़े हुए।
ठहरो, अहो मेरे हृदय में है अमृत, मैं सींच दूँगा
अभिमन्यु जैसे हो सकोगे तुम,
तुम्हारे दु:ख मैं अपने हृदय में खींच लूँगा।

(ग) स्निग्ध किरणें चन्द्र की तुझको हँसाती थीं सदा,
रात तुझपर वारती थी मोतियों की संपदा।
लोरियाँ गाकर मधुर निद्रा-विवश करते तुझे,
यत्न माली के रहे आनन्द से भरते तुझे।

02. सन्दर्भ देते हुए किन्हीं **दो** गद्यांशों का अर्थ हिन्दी में समझाइए। (20 अंक)

(क) शहर चलने से साफ मना कर दिया पिता जी ने, मानो जंगल में आज़ाद घूमनेवाला शेर आज स्वयं को चिड़ियाघर में ले जाने का विरोध कर रहा हो। "तेरी माँ को जाना है तो चली जाए, मैं उसे रोकूँगा नहीं। उसे बहुत कष्ट हो रहा है न यहाँ? मैं अकेले ही रह लूँगा।"

(ख) हल्कू ने रुपये लिये और इस तरह बाहर चला, मानो अपना हृदय निकालकर देने जा रहा हो। उसने मजूरी से एक-एक पैसा काट-काटकर तीन रुपये कंबल के लिए जमा किये थे। यह आज निकले जा रहे थे। एक-एक पग के सात उसका मस्तक अपनी दीनता के भार से दबा जा रहा था।

(ग) "तो आज नौकर दोनों गायब! मेम साहब ने चाय बनायी है, पर शाम को क्या होगा? मेरी तो मीटिंग शायद आठ पर खत्म होगी।"

अथवा

(घ) "(क्षण भर रुककर कुछ ज़ोर से) मगर आप यह सब क्यों पूछ रही हैं? देखिए, अपना फ़ोन नम्बर मुझे दे दीजिए। मैं कल दफ्तर में रिंग करके आपको सब बता दूँगा या फिर ... शाम को कहीं मिल भी सकते हैं।"

03. (क) **'पूस की रात'** कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए। (20 अंक)

अथवा

(ख) कवयित्री महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

द्वितीय भाग

(इन प्रश्नों के उत्तर सिंहल भाषा में लिख सकते हैं।)

04. हिन्दी साहित्य के आधुनिक युग की सामाजिक परिस्थिति पर प्रकाश डालिए। (20 अंक)

05. छायावादी युग की साहित्यिक विशेषताएँ क्या-क्या हैं? समझाइए। (20 अंक)

****